बाल दिवस आज
आने वाला कल उनका है, जिन्होंने विज्ञान को स्वीकार किया है।
- पं. जवाहरलाल नेहरू

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अख़बार

दैनिक भास्कर
SUNDAY

bhaskarhindi.com | औरंगाबाद | 14 नवंबर 2021

रोजगार सृजन का अनोखा विकल्प पेसो अप-स्किलिंग

औरंगाबाद | स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, और प्रस्तावित राष्ट्रीय रोजगार नीति (एनईपी) जैसी विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार प्रयासरत हैं। उनके इन्हीं प्रयासों को और गति दिलाने और रोजगार सृजन की क्षमता में सुधार के लिए क्षेत्रवार रणनीति बनाने के उद्देश्य से वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल तथा केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के अधिकारियों से युवाओं को स्व-रोजगार और नौकरियों के लिए कौशल बढ़ाने और तैयार करने के लिए नए अवसरों की पहचान करने का आह्वान किया है।

इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए सोम प्रकाश ने अपने मंत्रालय के संलग्न सभी संस्थाओं में किसी भी अप्रयुक्त रोजगार क्षमता की पहचान करने और युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए एक मिशन स्थापित किया है।

मंत्रालय के आदेश के बाद पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक पी. कुमार ने भी प्रयास शुरू कर दिए हैं, जिसके तहत इंजीनियरिंग ग्रैजुएट युवाओं के लिए उनकी योग्यता बढ़ाने और विस्फोटक पदार्थों तथा प्रक्रियाओं से निपटने वाली विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य करने के लिए एक कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम के तहत मॉक इंटरव्यू के साथ साप्ताहिक आधार पर व्यापक प्रारंभिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शामिल हैं ताकि वे राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में सफल हो सकें। स्टेटिक एंड मोबाइल प्रेशर वेसल्स (अनफायर्ड) नियम, 2016 और पेट्रोलियम नियम, 2002 के तहत सक्षम व्यक्तियों के चयन के लिए देश भर में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और चयन के लिए पीईएसओ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल फोरम के माध्यम से साक्षात्कार लेकर सक्षम व्यक्तियों का सिलेक्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पी. कुमार ने कहा कि, इस सुरक्षा सलाहकार पद के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा क्षेत्र के केमिकल, मैकेनिकल, मेटलर्जिकल और मरीन इंजीनियरों के स्नातकों को प्रत्यक्ष रूप से कम से कम पांच साल का अनुभव तथा पेट्रोलियम भंडारण स्थापना के संचालन और रखरखाव के क्षेत्र में न्यूनतम दस वर्षों के अनुभव जरुरी है.

पी. कुमार का दृष्टिकोण हमेशा गतिशील और मेहनती रहा, जिससे उन्होंने कोरोना काल में भी स्वयं अस्पतालों में क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक की स्थापना के लिए कदम उठाए और क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक निर्माताओं को बढ़ाने में मदद की। इस उपक्रम के तहत आवेदन जमा करने की तारीख से 48 घंटों के भीतर सभी अनुमोदन और लाइसेंस देकर क्रायोजेनिक भंडारण टैंकों का निर्माण उनके मार्गदर्शन में किया गया. उन्हें एक कोरोना योद्धा घोषित किया गया था और उनके प्रयासों को व्यक्तिगत रूप से महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने स्वीकार किया था।

लोकमत समाचार

पेसो दिखा रहा है नए क्षेत्र में रोजगार का रास्ता

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश के साथ मुख्य नियंत्रक,पेसो पी. कुमार (सबसे दाएं) और अन्य.

नई दिल्ली। 24 नवंबर। लोस सेवा

रोजगार सृजन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वाणिज्य और उद्योगमंत्री पीयूष गोयल तथा केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश के निर्देशानुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक पी. कुमार कंपनियों के लिए सुरक्षा सलाहकार का कार्य करने के लिए एक दक्षता कार्यक्रम चला रहे हैं. लिखित परीक्षा और पीईएसओ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार लेकर सक्षम व्यक्तियों को चुना जाएगा.

ये हैं पात्र : रक्षा सलाहकार पद के लिए केमिकल, मैकेनिकल, मेटलिर्जकल और मरीन इंजीनियरों के स्नातक ऑपरेशन के क्षेत्र में पांच साल के अनुभव,स्थिर या मोबाइल प्रेशर वेसल्स (अनफायर) के रखरखाव के क्षेत्र में योग्यता वृद्धि के लिए स्नातक अनफायर्ड नियम 2016 के तहत पात्र हैं. इसी तरह, पेट्रोलियम भंडारण स्थापना के संचालन और रखरखाव के क्षेत्र में न्यूनतम 10 वर्षों के अनुभव के साथ इंजीनियरिंग स्नातक पेट्रोलियम नियम, 2002 के तहत योग्यता वृद्धि की मांग करने के लिए पात्र हैं.

NAGPUR, Saturday, 13 November 2021 | R.N.I. No. 56945/1992 | Vol. XXIX, Issue No. 23
www.epaper.lokmat.com/lokmattimes/
PUBLISHED FROM NAGPUR, AURANGABAD & NASHIK 14+4 Pages, ₹ 6.00

Lokmat Times

Khan-Iyer duo shift focus back on Indore
>> Sports Page

'PESO shows the way in employment generation'

LOKMAT NEWS NETWORK
NAGPUR, NOV 12

In keeping with the Prime Minister Narendra Modi's thrust on employment generation through various initiatives and programs like the Skill India, Make in India, and the proposed National Employment Policy (NEP) aimed at creating sector-wise strategy to improve the potential of job creation, Piyush Goyal, Minister of Commerce & Industry, and Som Parkash, Union Minister of State for Commerce and Industry, have called upon officials in various government sectors to identify and create new opportunities for upskilling and preparing the youth for self-employment and jobs.

Going a step further, Som Parkash has set a mission for all organizations within his ministry to identify any untapped employment potential within their industry and take all necessary measures to train the youth and fill the gaps.

Union minister of state for Commerce and Industry Som Prakash, chief controller of PESO P Kumar (extreme right) and others.

Accordingly, P. Kumar, Jt. Chief Controller of Explosives (HOD) of the Petroleum and Explosives Safety Organisation (PESO) is spearheading a programme for engineering graduates to enhance their competency and serve as safety advisors to various private and public sector companies dealing with hazardous and explosive substances and processes.

The programme entails exhaustive preparatory training courses on weekly basis with mock interviews so as to enable them to successful pass the written exams conducted by National Productivity Council; written exams conducted by National Productivity Council across the country for selection of competent persons under the Static & Mobile Pressure Vessels (Unfired) Rules, 2016 & the Petroleum Rules, 2002; and, interviews in person or through virtual platform by senior officials of PESO for selection of competent persons.

नवभारत

'पेसो अप-स्किलिंग' से रोजगार सृजन

■ **पुणे,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. केंद्र सरकार के 'पेसो अप-स्किलिंग' योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगारक्षम बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं. ऐसी जानकारी पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (PESO) के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (H.O.D.) पी. कुमार ने दी. कुमार ने बताया कि, केंद्रीय स्तर पर स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, और प्रस्तावित राष्ट्रीय रोजगार नीति (एनईपी) जैसी विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रयास किए जा रहे हैं.

नये अवसरों की करें पहचान

उनके इन्हीं प्रयासों को और गति दिलाने और रोजगार सृजन की क्षमता में सुधार के लिए क्षेत्रवार रणनीति बनाने के उद्देश्य से वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के अधिकारियों से युवाओं को स्व-रोजगार और नौकरियों के लिए कौशल बढ़ाने और तैयार करने के लिए नए अवसरों की पहचान करने का आह्वान किया है.

प्रशिक्षण के लिए बना मिशन

सोम प्रकाश ने बताया कि, इस दिशा में बढ़ते हुए हमने मंत्रालय के संलग्न सभी संस्थाओं में किसी भी अप्रयुक्त रोजगार क्षमता की पहचान करने और युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए एक मिशन स्थापित किया है. इसके तहत इंजीनियरिंग ग्रैजुएट युवाओं के लिए उनकी योग्यता बढ़ाने और विस्फोटक पदार्थों तथा प्रक्रियाओं से निपटने वाली विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य करने नियुक्त करेंगे.

सुरक्षा सलाहकार पद के लिए इंजीनियरिंग के साथ अनुभव जरूरी

पी. कुमार ने कहा कि, इस सुरक्षा सलाहकार पद के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा क्षेत्र के केमिकल, मैकेनिकल, मेटलर्जिकल और मरीन इंजीनियरिंग के स्नातकों को प्रत्यक्ष रूप से कम से कम पांच साल का अनुभव तथा पेट्रोलियम भंडारण स्थापना के संचालन और रखरखाव के क्षेत्र में न्यूनतम दस वर्षों के अनुभव जरुरी है.

Pune Edition
16-november-2021 Page No. 2
epaper.enavabharat.com

YOUR NEWS

Physicians, teachers feted on World Ayurveda Day

World Ayurveda day was celebrated recently at **Jupiter Ayurved Medical College** (JAMC) and **Tarini Ayurveda Hospital**, Shankarpur, by **Lions Club Nagpur**, Ayurved Vikriti Vigyan PG Association, **Ayurved Research & Career Academy** and GAC Alumni Association. MP **Dr Vikas Mahatme** was the chief guest of the function, where lifetime achievement award was given to **Dr Subhash Ranade**, Dr Sunanda Ranade, **Dr Rajendra Deshpande**, Dr UD Raval and **Dr GP Upadhyay**. Best global ayurved teacher award was given to Dr Ranade, Dr Deshpande and **Dr Subhash Waghe**. Ayurved maharshi award was given to Dr Ranade, **Dr Dhanraj Gahukar**, **Dr RR Deshpande**. Nidan Bhushan and Nidan Shree award was given to Dr Ranade, **Dr Anukul Kar** and **Dr Ghansham Kodwani**. The best physician award was given to **Dr ND Raju**, Dr Sunita Nimbarte and **Dr Chanda Dhamecha. Tarini Nikhare**, secretary of Gurudas Shikshan Sanstha, **Dr Santosh Dhamecha**, president, GAC Alumni Association, **Dr Devdatta Khobragade**, president of Lions Club Nagpur ayurved, **Dr Vishnu Bawane**, chairman of Ayurveda Research and career academy, **Dr Sundar Danga**, director, **Dr Chetan Gulhane**, secretary and **Dr Shailendra Agrawal**, president of NIMA and others were present on the occasion.

PESO initiates skill devpt programme for engineers

The joint chief controller of explosives, **P Kumar**, who is head of the department of **Petroleum and Explosives Safety Organization** (PESO), has initiated a skill development programme for engineering graduates to work as **safety advisors**. PESO has its headquarters at Nagpur. Chemical, mechanical, metallurgical, and marine engineers with at least **five years** of experience in operation, maintenance of static or mobile pressure vessels (unfired) are eligible for the competency enhancement campaign. Similarly, any engineering graduate with minimum **ten years** of experience in operation and maintenance of petroleum storage installation can seek competency enhancement. The training is in line with Prime Minister **Modi**'s initiatives under Skill India and Make in India. Union minister **Piyush Goyal** called upon officials of government bodies to identify opportunities for upskilling. Minister of state for commerce and industry **Som Prakash** called upon organizations to identify employment potential in their industries. Kumar has been acknowledged as a **Covid warrior** for his efforts to ensure oxygen availability.

Anand Kumar felicitates

हिंदी दैनिक

युगधर्म

१९४७ से

प्रधान संपादक : अरुण जोशी

■ वर्ष : ७५ ■ अंक १५४ | नागपुर, गुरुवार, ११ नवंबर २०२१ | ■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य ₹४

युवाओं को स्वरोजगार के लिए तैयार करें : गोयल

पेसो अप-स्किलिंग और रोजगार सृजन का रास्ता दिखाता है

नई दिल्ली। स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, और प्रस्तावित राष्ट्रीय रोजगार नीति (एनईपी) जैसी विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमकर प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों को ध्यान में रखते हुए, रोजगार सृजन की क्षमता में सुधार के लिए क्षेत्रवार रणनीति बनाने के उद्देश्य से, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोमप्रकाश ने विभिन्न सरकारी क्षेत्रों के अधिकारियों से युवाओं को स्व-रोजगार और नौकरियों के लिए कौशल बढ़ाने और तैयार करने के लिए नए अवसरों की पहचान करने का आह्वान किया है।

इस दिशा में कदम और आगे बढ़ते हुए सोम प्रकाश ने अपने मंत्रालय के भीतर सभी संगठनों के लिए अपने उद्योग के भीतर किसी भी अप्रयुक्त रोजगार क्षमता की पहचान करने और युवाओं को प्रशिक्षित करने और अंतराल को भरने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए एक मिशन स्थापित किया है। तद्नुसार, पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक पी. कुमार ने भी प्रयास शुरू कर दिए हैं, जिसके तहत इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए उनकी योग्यता बढ़ाने और विस्फोटक पदार्थों तथा प्रक्रियाओं से निपटने वाली विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य करने के लिए एक कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं।

कार्यक्रम में मॉक इंटरव्यू के साथ साप्ताहिक आधार पर व्यापक प्रारंभिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शामिल हैं ताकि वे राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में सफल हो सकें; स्टेटिक एंड मोबाइल प्रेशर वेसल्स (अनफायर्ड) नियम, २०१६ और पेट्रोलियम नियम, २००२ के तहत सक्षम व्यक्तियों के चयन के लिए देश भर में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और चयन के लिए पीईएसओ के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या आभासी मंच के माध्यम से साक्षात्कार लेकर सक्षम व्यक्तियों का सिलेक्शन किया जाएगा।

पी. कुमार ने कहा कि, इस सुरक्षा सलाहकार पद के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा के केमिकल, मैकेनिकल, मेटलर्जिकल और मरीन इंजीनियरों के स्नातक ऑपरेशन के क्षेत्र में कम से कम पांच साल के अनुभव के साथ, स्थिर या मोबाइल प्रेशर वेसल्स (अनफायर) के रखरखाव के क्षेत्र में स्टेटिक और मोबाइल प्रेशर वेसल्स के तहत योग्यता वृद्धि प्राप्त करने के लिए स्नातक अनफायर्ड नियम २०१६ के तहत पात्र हैं। पेसो के 'सेफ्टी फर्स्ट' के आदर्श वाक्य को ध्यान में रखते हुए पी. कुमार ने युवा और उद्यमी इंजीनियरों से अपील की है कि वे आगे आएं और इन नियमों के तहत योग्यता प्राप्त करें और सुरक्षा पेशेवरों के रूप में अर्हता प्राप्त करें। पी. कुमार का गतिशील और मेहनती दृष्टिकोण देश में कोविड-१९ महामारी की पहली और दूसरी लहर के दौरान भी परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने स्वयं अस्पतालों में क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक की स्थापना के लिए कदम उठाए और क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक निर्माताओं को बढ़ाने में मदद की।

आवेदन जमा करने की तारीख से ४८ घंटों के भीतर सभी अनुमोदन और लाइसेंस देकर क्रायोजेनिक भंडारण टैंकों का निर्माण उनके मार्गदर्शन में किया गया। उन्हें एक कोरोना योद्धा घोषित किया गया था और उनके प्रयासों को व्यक्तिगत रूप से महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने स्वीकार किया था।